केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - **A** तथा पत्रक - **B** के साथ वापस भेजना है ।

केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए :

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - २

रविवार, १६ जुलाई, २०२३ **समय : दोपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (५)	
	३ (६)	
	४ (८)	
	५ (५)	
	६ (५)	
	विभाग-१, कुल गुण (३८)	

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (५)	
	९ (६)	
	१० (६)	
	११ (५)	
	१२ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (३७)	

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है। उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी। **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी। पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी। **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें। **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें। पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है। **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है। अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है। **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा। **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन!!! परिणाम नहीं मिलेगा!!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम	प्र - २ गुण - ५		नाम

परिचय-२

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''मैं रोटले का चूर्मा और छाछ खा रहा हूँ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''किसी समय तो पिता भी पुत्र को थप्पड़ मार देते हैं।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''विचरण के समय तुम्हें कैसे मनुष्य मिले ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. लक्ष्मीचंद सेठ ने श्रीजीमहाराज के लिए क्या भेजा ? गुण : १

.....

२. श्रीजीमहाराज के कथन अनुसार सच्चा मित्रभाव कब कहलाता है ? गुण : १

.....

३. श्रीजीमहाराज ने अरदेशर कोतवाल को अपनी स्मृति रूप क्या प्रदान किया ? गुण : १

.....

४. जिन्हें परम कल्याण की कामना हो, उन्हें किसका संग नहीं करना चाहिए ? गुण : १

.....

५. श्रीजीमहाराज की कृपा से विष्णुदास को कैसी स्थिति प्राप्त हुई थी ? गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ६		नाम	प्र - ४ गुण - ८		नाम

प्र. ३ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. किसीकी गुप्त बातों को किसी भी स्थान पर उद्‌घाटित करना नहीं चाहिए।

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. श्रीजीमहाराज ने मुक्तानंद स्वामी को धरमपुर जाने को कहा।

.....

.....

.....

..... गुण : २

३. गुंदाली गाँव के दरबार की सभा में हाहाकार मच गया।

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। (कुल गुण : ८)

१. अक्षरधामी छो .....

.....

..... दिधां सुख। गुण : २

२. अक्षर पर आनन्दघन .....

.....

..... होत जन निष्काम। गुण : २

३. यस्यात्मबुद्धिः .....

.....

..... एव गोखरः ॥ गुण : २

४. करुणामय ..... भजे सदा॥ - इस श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए॥

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम

प्र. ५ 'गलुजी की निष्ठा' - **के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ५		नाम

प्र. ६ 'वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण ८' - **निरूपण लिखिए। (कुल गुण : ५)**

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ९		नाम	प्र - ८ गुण - ५		नाम

विभाग - २ : प्रागजी भक्त

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''आप ध्यान किस रीति से करते हैं?''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''मुझे बहुत भूख लगी है। मुझे कुछ खाने को दो।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''जा, तुझे बहुत धन मिलेगा और गृहस्थ जीवन व्यतीत करते हुए भी तुझे सत्पुरुषों का आशीर्वाद मिलेगा।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. गुणातीतानंद स्वामी ने अंतिम बार किसको वर्तमान दिया? गुण : १

.....

२. रंगाचार्य को भगतजी के प्रथम दर्शन कहाँ और कब हुए? गुण : १

.....

३. गोंडल के दरबार अभेसिंह ने गुणातीतानंद स्वामी को क्या कहा? गुण : १

.....

४. कौन कौन से संत निर्भय होकर भगतजी महाराज का समागम करते थे? गुण : १

.....

५. कौनसी संवत् में भगतजी महाराज हरिभक्तों के संघ को गढ़डा ले जा रहे थे? गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ६		नाम	प्र - १० गुण - ६		नाम

प्र. ९ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. पवित्रानन्द स्वामी प्रागजी भक्त को विमुख करने के लिये तैयार हुए।

.....

.....

.....

..... गुण : २ |

२. स्वामी प्रागजी भक्त को वचनामृत के अभिप्राय और योग की गूढ़ क्रियाओं को समझाते थे।

.....

.....

.....

..... गुण : २ |

३. प्रागजी भक्त ने मृत कुत्ते को हटा दिया।

.....

.....

.....

..... गुण : २ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ | | ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. शिष्य की योग्यता की परीक्षा गुण : २ |

(१) | | तुम चूने की गर्मी से अंधे हो जाओगे। (२) | | स्वामी की सेवा में देह न्यौछावर कर दी है।

(३) | | स्वामी जुआर काटने के लिए गए। (४) | | स्वामी की सेवा में सत्संग न्यौछावर कर दिया है।

२. भगतजी का मनमोहक व्यक्तित्व गुण : २ |

(१) | | सीताबा को तीन दिन तक समाधि। (२) | | आणंद आने का निमंत्रण दिया।

(३) | | बिना पलक झपके खूले नेत्रों से भगवान का स्मरण करो। (४) | | श्वेत धर्म के सिद्धांत के पालन की प्रेरणा देते।

३. गिरधरभाई सद्‌गुरु की खोज में गुण : २ |

(१) | | वरताल में घनश्याम महाराज के सामने माला फेरनी आरम्भ की।

(२) | | एक महीने के बाद महाराज ने प्रसन्न होकर दर्शन दिए।

(३) | | प्रागजी भक्त मेरा परम प्रिय एकान्तिक भक्त है।

(४) | | 'मैं गुणातीतानंद स्वामी के द्वारा प्रगट हूँ।'

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ | | ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ५		नाम

प्र. ११ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. 'संतत्व की कला'　　२. जूनागढ़ में गुणातीतानन्द स्वामी का संग

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ६		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **अहमदाबाद में ज्ञान-यज्ञ :** श्री लक्ष्मीनारायण को अफ्रिकाखण्ड के महाराजा कहना चाहिए। जब महाराज अफ्रिकाखण्ड में पधारे, तब वे उन्हें पथ-प्रदर्शक के रूप में लाए थे। श्री लक्ष्मीनारायण ने महाराज की सेवा की थी।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **ऐश्वर्य दर्शन :** संवत् १८५१ में भगतजी गढ़डा में थे। एक बनिया उनके आंगन आया और भगतजी के नेत्रों में पलक झपके बिना देखने लगा।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **सद्‌गुरु गोपालानन्द स्वामी का संग :** नित्यानन्द स्वामी में अतिशय प्रेम उन्हें पार्षद बनने के लिए उकसाता था। किन्तु महाराज ने उन्हें गृहस्थ ही बने रहकर संप्रदाय की भक्ति करने का निर्देश दिया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **जूनागढ़ में अपूर्व सन्मान :** जब से भगतजी सत्संग से निकाले गए थे, तब से वे गोंडल मन्दिर में नहीं आए थे। बाद में अतिव्यस्तता और कोठारी महाराज की इज़ाज़त न होने के कारण से गोंडल आना नहीं हुआ था।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **साक्षात्कार :** चिंतामणि के संग में आकर दामजी चांदी बन कर निर्भय हो गए। उन्होंने लोगों से कहना प्रारम्भ किया, 'ये गोपालानंद स्वामी मूल अक्षरब्रह्म हैं, श्रीकृष्ण के दिव्य-धाम हैं।'

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **भगतजी के संत कठिनाई में :** पूरे सत्संग ने दो स्वर से गोविंदजी के ध्यानी होने का समर्थन किया है। उनको चाहे सुख हो या दु:ख हो, वे सम एवं खुश रहते हैं।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**